www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 05 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 5 फरवरी, 2022



बाबा सीएम को वापस उत्तराखंड भेजेगी... 2 | यूपी चुनाव: कांग्रेस के ज्यादातर स्टार... 3 | भीषण सड़क हादसों में तीन सिपाहिया... 7


# भगोड़े चंद्र प्रकाश को भाजपा ने गौरीगंज से बनाया प्रत्याशी

## कोर्ट ने दिया कुर्की का आदेश, विपक्ष हमलावर

» केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के करीबी हैं पूर्व विधायक दिल्ली की पटियाला हाउस हाईकोर्ट ने घोषित किया था भगोड़ा

» नौ वर्ष पूर्व मामले में कुर्की के आदेश का पालन नहीं करने पर डीएम को नोटिस भेजकर कार्रवाई के दिए आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वच्छ राजनीति का दावा करने वाली भाजपा की पोल फिर खुल गयी है। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के करीबी पूर्व विधायक और कोर्ट से भगोड़ा घोषित चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी को गौरीगंज से अपना प्रत्याशी बनाया है। नौ वर्ष पुराने मामले में दिल्ली की पटियाला हाउस हाईकोर्ट ने अमेठी के डीएम को चंद्र प्रकाश के खिलाफ कुर्की का आदेश दिया था लेकिन कार्रवाई न होने पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने 4 अप्रैल तक कार्रवाई कर सूचित करने और ऐसा नहीं करने पर डीएम को तलब किया है। चंद्र प्रकाश मिश्र छह फरवरी को नामांकन करेंगे। कोर्ट से नोटिस आने के बाद विपक्षी दलों ने भाजपा पर हमला बोला है। विपक्ष ने कहा कि भाजपा हमेशा से अपराधियों को संरक्षण देती रही है। इनके तमाम विधायकों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

दिल्ली के पटियाला हाउस हाईकोर्ट में अमेठी के गौरीगंज से विधायक रहे चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी के विरूद्ध दिल्ली की महर्षि रेनेवबली इनर्जी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से चेक बाउंस के चार मामले विचाराधीन हैं। इस केस में कोर्ट ने 5 दिसंबर 2013 को पूर्व विधायक को भगोड़ा घोषित किया था। साथ ही कोर्ट ने पुलिस को गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे, लेकिन पुलिस ने कोर्ट में कोई रिपोर्ट फाइल नहीं की। इसके बाद कोर्ट ने अमेठी के डीएम को 19 मार्च 2021 को कुर्की की कार्रवाई कर रिपोर्ट पेश करने को कहा था लेकिन अधिकारियों ने मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। इस पर 24 जनवरी को दिल्ली पटियाला हाउस हाईकोर्ट में जज उद्धव कुमार जैन ने डीएम अमेठी को सख्त निर्देश दिए कि 4 अप्रैल तक कार्रवाई करके कोर्ट को अवगत कराएं अन्यथा स्वयं कोर्ट में हाजिर हों। इस मामले में जब अमेठी के डीएम राकेश कुमार मिश्रा से जानकारी के लिए संपर्क किया गया तो उनके कार्यालय से जवाब मिला कि डीएम साहब मीटिंग में हैं बात नहीं हो सकती। वहीं, जब पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि आप लोग मेरा संरक्षण कीजिए।

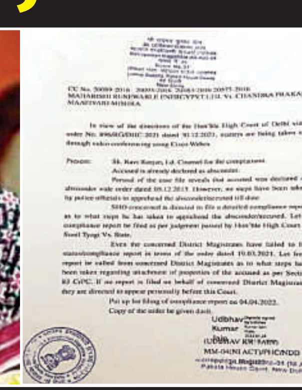

“ भाजपा अपराधियों और भगोड़ों को संरक्षण देती है। इनके प्रत्याशियों की लिस्ट ही इनके चाल-चरित्र और चेहरे की गवाही दे रही है। इनकी कथनी और करनी में बहुत फर्क है।

सुनील सिंह साजन, एमएलसी, सपा

“ अब माननीय न्यायालय को भाजपा के दफ्तर में आदेश भेजकर पूछना चाहिए कि उनके यहां कितने भगोड़ प्रत्याशी हैं। कोर्ट के आदेश का पालन नहीं होना दर्शाता है कि अधिकारी भाजपा के कार्यकर्ता की तरह काम करते रहे।

दीपक सिंह, एमएलसी, कांग्रेस

“ भाजपा सरकार के तमाम विधायकों-मंत्रियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। सत्ता में आने के बाद इन्होंने अपने मुकदमे वापस करा लिए। अब फिर से अपराधियों को चुनाव में उतारा है। सुशासन के नाम पर भाजपा ने अपराधियों का राज यूपी में कायम किया है।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

“ देश भर में भाजपा ने अपराधियों को सत्ता में लाने का कीर्तिमान बनाया है। गृहमंत्री खुद किसानों के हत्यारे के पिता को बगल में बैठाते हैं। अपराधी होना भाजपा के टिकट के लिए आवश्यक शर्त बन गयी है। बड़े से बड़ा अपराधी भाजपा में जाने के बाद पाक-साफ हो जाता है। लोकतंत्र के लिए इस पार्टी से बड़ा कोई खतरा नहीं है।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

### स्मृति ईरानी की चुनाव में की थी मदद

2007 में बसपा के टिकट पर चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी ने चुनाव लड़ा था और विधानसभा पहुंचे थे। 2012 में वे चुनाव हार गए। इसके बाद मार्च 2019 में भाजपा ज्वाइन की थी। बताते हैं कि इन्होंने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के चुनाव में जमकर मदद की थी। अब विधान सभा चुनाव में उन्हें इनाम मिला है। भाजपा ने उन्हें गौरीगंज सीट से प्रत्याशी बनाया है। हालांकि, हाईकोर्ट के आदेश के बाद उनकी उम्मीदवारी पर संकट मंडरा रहा है।

# डबल इंजन की सरकार ने जनता को दिया धोखा: अखिलेश

» पहले चरण का माहौल बता रहा है कि यूपी से भाजपा का होगा सफाया

» सपा प्रमुख ने अलीगढ़ में चुन-चुनकर किए वार लोगों से वोट देने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। आज अलीगढ़ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव यूपी के भविष्य का चुनाव है। आने वाले समय में संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। पहले चरण का माहौल बता रहा है कि यूपी से भाजपा का सफाया होगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने किसानों को बर्बाद किया। उन पर अत्याचार किए गए। कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने आंदोलन किया और चुनाव के करीब आते ही सरकार ने इनको वापस ले लिया। भाजपा बताये कि यदि कृषि कानून किसानों के हित में थे तो वापस क्यों लिए गए। किसानों को खाद नहीं मिली। खाद की बोरी में चोरी हुई। महंगाई बढ़ती जा रही है। ऐसे में प्रदेश में खुशहाली कैसे आएगी।

**संविधान और लोकतंत्र को बचाने का है यह चुनाव**

कोरोना काल में मजदूरों की भाजपा सरकार ने मदद नहीं की। दवा और इलाज नहीं दे पायी। सपा सरकार में कानून व्यवस्था बेहतर थी। डबल इंजन की सरकार ने जनता को धोखा दिया है। लोगों के पास रोजगार नहीं है। कारखाने लगने थे, वे लगे नहीं हैं। अलीगढ़ में डिफेंस कॉरिडोर कहां है। पश्चिम यूपी में भाजपा के दरवाजे पर ताला लगाने का काम अलीगढ़ के लोग करेंगे।

## सर्दी में गर्मी से चढ़ा सियासी पारा

# बाबा सीएम को वापस उत्तराखंड भेजेगी जनता : अखिलेश

### » मुख्यमंत्री अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गर्मी वाली बयानबाजी से सियासी पारा चढ़ा हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गर्मी वाले बयान पर अखिलेश यादव ने तीखा हमला बोला है। आगरा में सीएम योगी के गर्मी वाले बयान पर तीखा हमला करते हुए अखिलेश ने कहा कि बाबा मुख्यमंत्री कह रहे हैं गर्मी निकाल देंगे। हम और आप समझ नहीं पाए। वो जनता से कह रहे थे हमारी गर्मी निकाल दो। हम भी उत्तरखंड वापस जाना चाहते हैं। इस बार गर्मी निकल जाएगी। जहां से आए थे जनता उन्हें वहीं वापस भेज देगी।

अखिलेश ने कहा कि हमारे बाबा मुख्यमंत्री पहली बार ऐसी भाषा नहीं बोल रहे हैं। प्रदेश के लोगों ने न जाने कितनी बार उनकी ऐसी भाषा सुनी है। जो मुख्यमंत्री सदन में कहे, ठोक दो। जो सदन में असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करे। वो कह रहे हैं कि गर्मी निकाल देंगे। क्या हमारे मुख्यमंत्री कंप्रेसर हैं, जो गर्मी निकाल देंगे। हम और आप समझ नहीं पाए। वो जनता से कह रहे थे हमारी गर्मी निकाल दो, हम वापस उत्तराखंड जाना चाहते हैं।

### सरकार ने किसान-नौजवान को अपमानित किया

सपा मुखिया ने कहा कि गोरखपुर की जनता योगी को इस बार वापस भेज देगी। इस सरकार ने किसानों और नौजवानों को अपमानित किया है। इस बार एक-एक यूथ भाजपा को अपने बूथ पर एतिहासिक हार दिलाने जा रहा है। गठबंधन बहुरंगी है। ये एक रंगी लोग बाबा साहब का संविधान खत्म करना चाहते हैं। हमारी लड़ाई लोकतंत्र बचाने के लिए है। आगरा मेलजोल का शहर है। यहां से मुहब्बत का संदेश दुनियाभर में जाता है। नफरत और बांटने वाले लोगों को जनता रिजेक्ट करेगी।

### जिम्मेदार पद पर बैठे लोगों को संभल कर बोलना चाहिए : नरेश टिकैत

सीएम योगी के बयान पर भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि अर जो हम अपणी प आवै, इस जाड् में गर्मी दिखा देंगे...। साथ ही यह भी कहा कि मुख्यमंत्री प्यारे हैं, उन्हें ऐसी बात नहीं करनी चाहिए। सीएम ने पिछले दिनों कैराना और मुजफ्फरनगर को लेकर गर्मी वाला बयान दिया था, जो खूब वायरल हुआ। टिकैत ने कहा कि मुख्यमंत्री को ऐसी भाषा का प्रयोग कतई नहीं करना चाहिए। बड़े प्रदेश के मुख्यमंत्री है, जिम्मेदार पद पर हैं। जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति को एक-एक शब्द संभलकर बोलना चाहिए। समाज में भाईचारा जरूरी है। समाज को जोड़ने वाली बात होनी चाहिए। आमजन और किसान के हित की बात की जानी चाहिए। सात सौ से अधिक किसान शहीद हो गए। सरकार को उनके परिवारों की चिंता करनी चाहिए।

### नौजवानों की गर्मी कैसे निकालोगे जो नौकरी मांग रहे हैं : जयंत

रालोद मुखिया जयंत चौधरी ने कहा कि योगीजी बहुत बयानबाजी करते है। गर्मी को ठंडा करने बात करते हैं। शिमला पहुंचाने की कहते हैं। लाठी चलाने से, बुलडोजर की धमकी देने से, गर्मी निकाल दूंगा जैसी भाषा बोलने से विकास नहीं हो सकता। जयंत ने कहा कि मैं योगीजी से कहता हूं कि इन नौजवानों की गर्मी कैसे निकालोगे जो नौकरी मांग रहे हैं। उन किसानों की गर्मी योगीजी कैसे निकालेंगे जो फसल की कीमत मांगते हैं। किसानों, नौजवानों के साथ जो अन्याय हुआ। आपत्तिजनक शब्द कहे। मैं उसके लिए बदला शब्द का इस्तेमाल नहीं करूंगा। लेकिन, लोकतंत्र में वोट की चोट करने के लिए जरूर कह रहा हूं।

# सीएम योगी के पास वाहन नहीं, 2014 में तीन थे

### » सुरक्षा की दृष्टि से एक रिवाल्वर रखते हैं अपने पास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। प्रति माह 3.65 लाख रुपए वेतन भत्ता पाने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास अचल संपत्ति नहीं है। उनके पास जो भी संपत्ति है, वह चल है। गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन कराते समय उन्होंने 1.55 करोड़ रुपए की चल संपत्ति की घोषणा की। इसमें भी करीब 1.50 करोड़ रुपये विभिन्न बैंक के खातों में जमा, सावधि जमा और डाकघर में बचत पत्र के रूप में हैं।

53 माह में उनकी संपत्ति लगभग 59 लाख रुपये बढ़ी है। वर्ष 2017 में विधान परिषद सदस्य के निर्वाचन के लिए नामांकन करते समय उन्होंने लगभग 96 लाख रुपये की चल संपत्ति की घोषणा की थी। लोकसभा चुनाव 2014 में उनके पास लगभग 72 लाख रुपये की संपत्ति थी। 49 वर्षीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एचएन बहुगुणा विश्वविद्यालय श्रीनगर, पौड़ीगढ़वाल से 1992 में बीएससी किया है। 2014 में योगी के पास सफारी, इनोवा व फॉर्च्यूनर थी। वर्तमान में एक भी वाहन नहीं है।

# हरीश रावत की इमेज से छेड़छाड़ इलेक्शन कमीशन में शिकायत

### » बीजेपी नेता बग्गा को पार्टी से निकालने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में मुस्लिम यूनिवर्सिटी खोले जाने के मामले में नया मोड़ यह आया है कि कांग्रेस ने बीजेपी नेता की शिकायत चुनाव आयोग से कर उनके सोशल मीडिया पर लगाम लगाने की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस की चुनाव अभियान कमेटी के अध्यक्ष हरीश रावत की एक तस्वीर के साथ छेड़छाड़ के मामले में कांग्रेस ने आपत्ति जताते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत की गई।

कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने यह शिकायत करते हुए भाजपा नेता तेजिन्दर बग्गा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, तो बग्गा ने फिर वही तस्वीर पोस्ट करके मामले को तूल दे दिया।

कांग्रेस ने अपनी शिकायत में कथित तौर पर कहा कि कांग्रेस और हरीश रावत की छवि खराब करने और राज्य का सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश बग्गा ने की। दरअसल भाजपा की उत्तराखंड यूथ विंग के प्रभारी तेजिंदर पाल सिंह बग्गा ने अपने सोशल मीडिया हैंडलों पर हरीश रावत की एक इमेज साझा की थी, जिसमें रावत को दाढ़ी में दिखाया गया था। इस इमेज पर विवाद हुआ, तो उसकी खिल्ली उड़ाते हुए भी बग्गा ने एक और पोस्ट लिखा।

# बीजेपी कल जारी करेगी लोक कल्याण संकल्प पत्र

### » राष्ट्रवाद, विकास और सुशासन के मुद्दे पर होगा फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश में चुनावी सरगर्मियां तेज हैं। प्रदेश में पहले चरण के लिए कुछ ही दिनों में मतदान होना है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर से नामांकन करने के बाद कहा कि प्रदेश के लिए लोक कल्याण संकल्प पत्र छह फरवरी को जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रवाद, विकास और सुशासन के मुद्दे पर इस चुनाव में उतर रही है।

मीडिया से बातचीत में सीएम योगी ने कहा कि बीते पांच सालों में

भाजपा सरकार ने सुरक्षा, माहिला कल्याण, अन्नदाता किसानों के उन्नयन, नौजवानों को रोजगार, गांवों व शहरों के समग्र विकास, गरीबों के कल्याण की योजनाओं को धरातल पर मूर्त रूप प्रदान किया है। इसका परिणाम भी देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में सरकार के कार्यों के चलते पूरे प्रदेश में चाहे वह पूरब हो या पश्चिम, जनता का भारी समर्थन और आशीर्वाद भाजपा को मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों में प्रदेश को सत्ता के संरक्षण में माफियाओं, गुंडों ने जकड़ लिया था। केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन की भाजपा सरकार ने प्रदेश को माफिया व गुंडाराज से मुक्ति दिलाई है। उन्होंने कहा सुरक्षा के वातावरण से प्रदेश में निवेश और निवेश से रोजगार के अवसर तेजी से आगे बढ़े हैं।

# अत्याधुनिक होगी रामनगरी की सुरक्षा व्यवस्था : दुर्गा शंकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामनगरी में बन रहे भव्य राम मंदिर परिसर के साथ ही पूरी अयोध्या अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों से लैस होगी। सुरक्षा बलों के साथ सीसीटीवी कैमरों से लेकर अन्य उपकरणों के जरिए चप्पे-चप्पे पर पहरा होगा। एकीकृत कंट्रोल रूम के जरिए हर गतिविधि पर पुलिस की सीधी नजर होगी। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने डीजीपी मुख्यालय में अयोध्या की सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर तैयार की जा रही योजना की गहन समीक्षा की। उन्होंने अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी व डीजीपी मुकुल गोयल के साथ सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया।

इस दौरान एडीजी सुरक्षा बीके सिंह ने नई सुरक्षा योजना को लेकर प्रस्तुतीकरण भी दिया। मुख्य सचिव ने पुलिस मुख्यालय का भ्रमण करने के साथ ही सोशल मीडिया मानीटरिंग सेल के कामकाज को भी देखा। इसके बाद दुर्गा शंकर ने कहा कि अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर परिसर के अलावा हनुमान गढ़ी, कनक भवन, सरयू तट समेत सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण लगाये जाएंगे। इसके लिए विश्व स्तर पर प्रयोग हो रही सुरक्षा तकनीकों के अध्ययन के साथ ही अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों के विशेषज्ञों से भी विमर्श किया जा रहा है। एडीजी सुरक्षा की अगुवाई में एक कमेटी नई सुरक्षा व्यवस्था का खाका तैयार कर रही है। भविष्य में अयोध्या में बढ़ने वाले पर्यटन के दृष्टिगत भी सुरक्षा के दायरे को बढ़ाया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने कई अहम सुझाव भी दिये। मुख्य सचिव ने विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत सोशल मीडिया मानीटरिंग सेंटर में की गई नई व्यवस्थाओं को भी देखा। विभिन्न डेस्क की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। एएसपी सोशल मीडिया सेल राहुल श्रीवास्तव ने मुख्य सचिव को फेक न्यूज हैंडल की कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी।

# यूपी चुनाव : कांग्रेस के ज्यादातर स्टार प्रचारक नदारद, कई नेताओं ने बनाई दूरी

» दूसरे राज्यों से आए कांग्रेसी नेताओं के भरोसे मैदान में प्रचार कर रही पार्टी

» प्रियंका ने संभाल रखी है कमान पर जमीनी नेताओं की दूरी करेगी नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के साथ ही सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस भी जोर-शोर से लगी है लेकिन सियासी दुर्दिन झेल रही पार्टी के अधिकांश स्टार प्रचारक मैदान से नदारद दिख रहे हैं। कई नेताओं ने दूरी बना ली है। वहीं दूसरे राज्यों के नेताओं के भरोसे कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा कार्यकर्ताओं में जोश भरती दिख रही हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या इस तरह कांग्रेस प्रदेश में अपनी सियासी जमीन मजबूत कर पाएगी।

कांग्रेस ने भले ही अपने स्टार प्रचारकों की भारी भरकम टीम घोषित की हो लेकिन उसकी समस्याएं खत्म नहीं हो रही हैं। पार्टी के चुनाव प्रचार के परिदृश्य से सूची में शामिल अधिकांश स्टार प्रचारक गायब हैं। सिर्फ दो-चार स्टार प्रचारक ही चुनावी मैदान में नजर आ रहे हैं। पार्टी ने 24 जनवरी को भारत निर्वाचन आयोग को उप्र विधान सभा चुनाव के लिए अपने 30 स्टार प्रचारकों की सूची भेजी थी, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, राहुल गांधी व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत पार्टी के चर्चित चेहरे शामिल थे। यह बात और है कि इस सूची में शामिल ज्यादातर पार्टी नेता फील्ड से नदारद रहे हैं। स्टार प्रचारकों में शुमार प्रदेश कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं की प्रचार से दूरी खटकने वाली है। चाहे पूर्व मंत्री प्रमोद तिवारी हों या कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राज बब्बर, सलमान खुर्शीद व निर्मल खत्री या पूर्व सांसद पीएल पुनिया व राजेश मिश्रा या पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान में उनकी नामौजूदगी चौंकाने वाली है। इंटरनेट मीडिया के जरिये मतदाताओं से संवाद के अलावा प्रियंका गांधी वाड्रा ने हाल ही में नोएडा में घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क किया। वहीं प्रदेश के चुनाव संग्राम में राहुल गांधी की एंट्री का इंतजार है। यह हालत तब है जब विधान सभा चुनाव के शुरुआती चरणों के लिए नामांकन की प्रक्रिया बीत चुकी है और चुनाव प्रचार चरम पर है। स्वास्थ्य कारणों और उम्र के तकाजे से सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह की चुनाव प्रचार में शिरकत न कर पाने की मजबूरी तो समझी जा सकती है। वहीं स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह भाजपा का दामन थाम चुके हैं। क्रिकेट के मैदान से राजनीति का सफर तय करने वाले मोहम्मद अजहरुद्दीन, पूर्व सांसद राजीव शुक्ला, राशिद अल्वी व जफर अली नकवी को भी सूची में शामिल किया गया है।

## अजय कुमार लल्लू और आराधना अपने चुनाव क्षेत्रों में व्यस्त

स्टार प्रचारकों में शामिल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और विधानमंडल दल नेता आराधना मिश्रा मोना चुनाव लड़ रहे हैं और अपने-अपने क्षेत्रों में व्यस्त हैं।

### ये है सक्रिय

उप्र में चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस दूसरे प्रदेशों के नेताओं पर निर्भर है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उप्र में खासे सक्रिय हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल और पार्टी नेता कन्हैया कुमार पार्टी की ओर से नौजवानों के लिए तैयार किये गए भर्ती विधान को लेकर युवाओं से संवाद कर रहे हैं। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी पार्टी के कुछ एक कार्यक्रमों में शिरकत की।

# जिलों में बगावत की बयार थामने उतरे पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव

- अपने प्रत्याशियों के प्रचार की कमान संभाली
- असंतुष्ट नेताओं को मनाने की कोशिश में जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में बरेली में जहां केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जनसभा और जनसंपर्क कर चुके हैं वहीं मुख्य विपक्षी पार्टी सपा के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के लिए स्टार प्रचारक पूर्व सांसद धर्मेंद्र ने जिले में चुनाव की कमान संभाल ली है। पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के साथ वह असंतुष्ट नेताओं को मनाने की कोशिश में भी जुटे हैं। भरोसा दिला रहे हैं कि किसी को एमएलसी चुनाव में समायोजित कराएंगे तो किसी को पार्टी में अच्छा पद दिलाकर अगले चुनाव में मौका दिलाएंगे। बदायूं जिले में अधिकांश सीटों पर भाजपा और सपा में टक्कर के आसार दिख रहे हैं।

कुछेक सीटों पर बसपा, कांग्रेस और राष्ट्रीय परिवर्तन दल के प्रत्याशी भी संघर्ष कर लड़ाई में आने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व मंत्री बनवारी सिंह यादव के बाद सपा में जिले की राजनीति धर्मेंद्र यादव के ईर्द-गिर्द ही घूमती है। यहां से वह दो बार सांसद भी रह चुके हैं इसलिए जिले के लोगों से व्यक्तिगत जुड़ाव भी है। पूर्व विधायक आबिद रजा सपा में तो नहीं हैं, लेकिन आजम खां के सहारे विधान सभा चुनाव में टिकट की उम्मीद लगाए बैठे थे, उन्हें टिकट नहीं मिला, जिसके लिए धर्मेंद्र यादव को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। हालांकि धर्मेंद्र यादव की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, वह पार्टी को मजबूत करने के साथ सपा और महानदल के प्रत्याशियों को जिताने के लिए पर्दे के पीछे रणनीति बनाने में जुटे हैं। उनके साथ विपिन यादव, अवधेश यादव, प्रभात अग्रवाल की सशक्त टीम भी काम कर रही है। चुनाव प्रचार खत्म होने की तारीख तक वह यहीं रहकर प्रत्याशियों के पक्ष में जनसमर्थन जुटाएंगे। उम्मीदवारों के समर्थन में कैंप कार्यालय पर विभिन्न क्षेत्र के लोगों से मुलाकात कर उनसे पार्टी के लिए समर्थन भी मांगते रहे। दावा किया कि इस चुनाव में सपा की सरकार बन रही है और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे।

### प्रशांत सिंह ने भाजपा के सहयोगी दल निषाद पार्टी का दामन थामा

हंडिया से पूर्व विधायक स्व. महेश नारायण सिंह के पुत्र पूर्व विधायक प्रशांत सिंह राहुल भी टिकट मांग रहे थे। वर्ष 2017 में सपा ने उनका टिकट काटकर एमएलसी बासुदेव यादव की पुत्री निधि यादव दे दिया था। प्रशांत को भरोसा था कि अगले चुनाव में पार्टी उन पर विश्वास जताएगी। लेकिन इस बार फिर उन्हें निराश होना पड़ा। सपा ने बसपा से आए हाकिम लाल बिंद को उम्मीदवार बनाया तो प्रशांत सिंह का धैर्य टूट गया। दो दिन पहले उन्होंने भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी का दामन थामा और फिर पार्टी ने हंडिया से उन्हें प्रत्याशी भी घोषित कर दिया।

### चुनाव में आमने-सामने

कहते हैं कि सियासत में कुछ भी संभव है। कब, कौन किधर पलट जाए कहा नहीं जा सकता। प्रयागराज में ऐसा ही कुछ नजर आ रहा है। चंद घंटों में राजनीतिक घटनाक्रम ऐसा बदल रहा कि सियासत के महारथियों का माथा फिर गया है। दलबदल की ऐसी राजनीति हुई कि दूसरी पार्टी की सदस्यता लेने के साथ ही उम्मीदवार भी घोषित हो गए। अब समाजवादी पार्टी को अपनों से ही मुकाबला करना होगा।

### सपा में रहे नागेंद्र सिंह का चायल सीट से पूजा पाल से मुकाबला

प्रयागराज में समाजवादी पार्टी के टिकट से नागेंद्र सिंह पटेल ने वर्ष 2018 में फूलपुर संसदीय सीट पर हुए उप चुनाव में विजयश्री हासिल की थी। वर्ष 2019 में हुए लोक सभा चुनाव में सपा ने नागेंद्र पटेल का टिकट काट दिया था। हालांकि उस समय भीतर ही भीतर नागेंद्र नाराज हुए थे, लेकिन बाद में सब ठीक हो गया था। उनको भरोसा था कि वर्ष 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में फूलपुर से टिकट मिलेगा, लेकिन सपा ने अचानक मुज्तबा सिद्दीकी को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इससे पूर्व सांसद की नाराजगी और भी बढ़ गई। भाजपा ने अपना दल (एस) के लिए कौशांबी जनपद की चायल सीट छोड़ी तो पूर्व सांसद नागेंद्र पटेल ने अद (एस) की सदस्यता ले ली। बिना देर किए पार्टी ने उन्हें चायल से प्रत्याशी घोषित कर दिया। अब उनका मुकाबला सपा उम्मीदवार पूजा पाल से होगा।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# चीन की चालबाजी पर बहिष्कार की मार

> विश्व के कई देशों ने बीजिंग शीत ओलंपिक समारोह के राजनीतिक बहिष्कार का ऐलान किया है। भारत ने ओलंपिक की मशाल गलवान घाटी में हुए संघर्ष में घायल चीनी रेजीमेंट के कमांडर फैबाओ को थमाए जाने को चीन द्वारा खेलों का राजनीतिकरण बताकर इसका बहिष्कार किया है तो अमेरिका, और यूरोपीय संघ के देशों ने उइगर मुस्लिमों पर किए जा रहे अत्याचारों के विरोध में खेल समारोह में अपने राजनयिकों को नहीं भेजने का फैसला किया है।

*चीन की चालबाजी उसे महंगी पड़ती दिख रही है। विश्व के कई देशों ने बीजिंग शीत ओलंपिक समारोह के राजनीतिक बहिष्कार का ऐलान किया है। भारत ने ओलंपिक की मशाल गलवान घाटी में हुए संघर्ष में घायल चीनी रेजीमेंट के कमांडर फैबाओ को थमाए जाने को चीन द्वारा खेलों का राजनीतिकरण बताकर इसका बहिष्कार किया है तो अमेरिका, और यूरोपीय संघ के देशों ने उइगर मुस्लिमों पर किए जा रहे अत्याचारों के विरोध में खेल समारोह में अपने राजनयिकों को नहीं भेजने का फैसला किया है। सवाल यह है कि क्या चीन के ऊपर बहिष्कार का कोई असर पड़ेगा? क्या इस फैसले से अमेरिका व भारत से चीन की तल्खी और नहीं बढ़ेगी? क्या विस्तारवादी चीन अपने अड़ियल रवैए से पीछे हटेगा? क्या पड़ोसी देशों से विवाद में चीन कोई बदलाव करेगा? क्या बहिष्कार की यह नीति दुनिया को एक बार फिर दो खेमों में बांट देगी? क्या चीन के खिलाफ विश्व के बड़े देशों की लामबंदी पूरी दुनिया में उसकी छवि को और दागदार नहीं कर देगी?*

*चीन की विस्तारवादी नीतियों के कारण न केवल उसके पड़ोसी देश बल्कि अमेरिका भी चिंतित है। कोरोना वायरस को लेकर विश्व के तमाम देश चीन को शक की निगाह से देखते रहे हैं। चीन और भारत के बीच तनाव चरम पर है। दोनों देशों की सेनाएं सीमा पर आमने-सामने खड़ी हैं। 2020 में चीन ने भारतीय सीमा में घुसपैठ की साजिश रची थी। लिहाजा दोनों सेनाओं के बीच खूनी झड़प हुई। इसमें भारत के बीस जवान शहीद हुए और ताजा रिपोर्ट के मुताबिक झड़प में चीन के चालीस जवान मारे गए थे। अब चीन शीत ओलंपिक के सहारे भारत को आक्रामक और खुद को शांति का पुजारी दिखाने की चाल चल रहा है। लिहाजा गलवान घाटी के हिंसक झड़प के लिए जिम्मेदार अपने कमांडर को खेलों की मशाल दी है। इसका न केवल भारत और अमेरिका ने विरोध किया है बल्कि खेल समारोह का बहिष्कार किया है। वहीं उइगर मुस्लिमों पर अत्याचार को लेकर भी ब्रिटेन, कनाडा, आस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ के देशों ने बहिष्कार का ऐलान किया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि विश्व के तमाम शक्तिशाली देशों के बहिष्कार का दूरगामी असर चीन पर पड़ेगा। इससे उसकी छवि विश्व में एक आक्रामक और क्रूर देश की बनेगी। इसका असर उसके वैश्विक व्यापार और दुनिया के तमाम देशों से उसके संबंधों पर पड़ेगा। इससे आने वाले दिनों में विश्व दो ध्रुवों में बंट सकता है। चीन को समझना चाहिए कि दुनिया विस्तारवाद से नहीं बल्कि शांति की राह पर चलकर ही आगे बढ़ती है। उसे पड़ोसियों के साथ संवाद से समस्याओं का हल करना होगा।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# आर्थिकी के अहम मुद्दों की अनदेखी

भरत झुनझुनवाला

वित्तमंत्री ने बजट में 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कई मशीनों पर आयात कर बढ़ाया है, जिनका भारत में उत्पादन हो सकता था। इससे भारत में मशीनों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। जैसे मोबाइल फोन के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए मोबाइल फोन के लेंस के आयात पर छूट दी गई है। केमिकल में भी जहां देश में उत्पादन क्षमता उपलब्ध है वहां आयात करों को बढ़ाया गया है। सोलर बिजली के उत्पादन के लिए घरेलू सोलर पैनल के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया गया है। रक्षा क्षेत्र में कुल बजट का पिछले साल 58 प्रतिशत घरेलू स्त्रोतों से खरीद की जा रही थी जो इस वर्ष बढ़ाकर 68 प्रतिशत कर दिया गया है। यह सभी कदम सही दिशा में हैं। इनसे घरेलू उत्पादन में वृद्धि होगी और मेक इन इंडिया बढ़ेगा। लेकिन इसके बावजूद अर्थव्यवस्था पुनः चल निकलेगी इस पर संशय है।

मुख्य कारण यह है कि सरकार सप्लाई बढ़ाने की अपनी पुरानी गलत नीति पर चल रही है। जैसे घरेलू उत्पादन को 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' यानी उत्पादन के अनुसार उन्हें सहयोग मात्रा दिए जाने को बढ़ावा दिया गया है। प्रश्न है कि जब बाजार में मांग नहीं है तो उद्यमी उत्पादन करेगा क्यों और 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' लेने की स्थिति में पहुंचेगा कैसे? उद्यमी के लिए प्रमुख बात होती है कि वह अपने माल को बाजार में बेच सके। जब तक देश के नागरिकों की क्रय शक्ति नहीं बढ़ेगी और वे बाजार में माल खरीदने को नहीं उतरेंगे तब तक बाजार में मांग उत्पन्न नहीं होगी और घरेलू उत्पादन नहीं बढ़ेगा। 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' की उपयोगिता तब है जब बाजार में मांग हो लेकिन वित्तमंत्री ने आम आदमी की क्रय शक्ति को बढ़ाने के लिए कोई भी कदम नहीं उठाए हैं। करना यह चाहिए था कि सरकारी कर्मियों के वेतन में कटौती और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में रिसाव को खत्म करके आम आदमी को सीधे नगद वितरण करना चाहिए, जिससे आम आदमी बाजार से माल खरीद सके और अर्थव्यवस्था चल सके। वित्तमंत्री ने कहा है कि सरकारी निवेश में वृद्धि की गई है। यह भी सही है लेकिन बड़ा सच यह है कि सरकार के कुल बजट में 5 लाख करोड़ की वृद्धि हुई है, जिसमे पूंजी खर्चों में 2 लाख करोड़ की और सरकारी खपत में 3 लाख करोड़ की।

कहा जा सकता है कि यह 2 लाख करोड़ की वृद्धि अच्छी है लेकिन पर्याप्त नहीं है। इस समय जब देश आयातों से हर तरफ से पिट रहा है, उस स्थिति में अपने देश में बुनियादी संरचना एवं अन्य पूंजी खर्चों में भारी वृद्धि करने की जरूरत थी, जिससे हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में खड़े हो सकें। उस जरूरत को देखते हुए सरकारी खपत में 3 करोड़ की वृद्धि और सरकारी निवेश में 2 करोड़ की वृद्धि उचित नहीं दिखती है। अधिक वृद्धि पूंजी खर्चों में की जानी चाहिए थी जो वित्तमंत्री ने नहीं की है इसलिए हम विश्व अर्थव्यवस्था में वर्तमान की तरह पिटते रहेंगे ऐसी संभावना है। वित्तमंत्री ने जीएसटी की वसूली में अप्रत्याशित वृद्धि की बात कही है जो सही भी है। लेकिन प्रश्न यह है कि यदि जीएसटी में पिछले समय की तुलना में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है; तो जीडीपी में मात्र 9 प्रतिशत की वृद्धि क्यों? कारण यह है कि जो 9 प्रतिशत की वृद्धि बताई जा रही है यह विवादास्पद है। जीडीपी की गणना अपने देश में मुख्यतः संगठित क्षेत्र के आंकड़ों के आधार पर की जाती है। जीएसटी में वृद्धि उत्पादन के कारण नहीं बल्कि इसलिए हो रही है कि असंगठित क्षेत्र पिट रहा है, असंगठित क्षेत्र का उत्पादन घट रहा है और वह उत्पादन जो अभी तक असंगठित क्षेत्र में होता था वह अब संगठित क्षेत्र में होने लगा है। जैसे बस स्टैंड पर पहले रेहड़ी पर लोग चना बेचते थे और अब पैकेट में बंद चना बिक रहा है। असंगठित रेहड़ी वाले का धंधा कम हो गया और उतना ही उत्पादन संगठित पैकेटबंद चने का बढ़ गया।

जीएसटी की वसूली का दूसरा पक्ष राज्यों की स्वायत्तता का है। जून, 2022 में केंद्र सरकार द्वारा राज्यों द्वारा जीएसटी में जो वसूली की कमी हुई है, उसकी भरपाई बंद हो जाएगी। जुलाई, 2022 के बाद राज्यों को जीएसटी की वसूली में अपने हिस्से से अपने बजट को चलाना होगा। इससे कई राज्यों की आय 25 से 40 फीसदी तक एक ही दिन में घट जाएगी। इस समस्या से निपटने के लिए वित्तमंत्री ने राज्यों के लिए ऋण लेना और आसान कर लिया है जो तात्कालिक समस्या के लिए ठीक है लेकिन ऋण लेकर राज्य कब तक अपना बजट चलाएंगे? वित्तमंत्री को जीएसटी में लचीलापन लाना चाहिए और राज्यों को अपने विवेक के अनुसार अपने राज्य की सरहद में बिकने वाले माल पर जीएसटी की दर में परिवर्तन करने की छूट देनी चाहिए।

इस बजट का एकमात्र गुण मेक इन इंडिया के तहत विशेष वस्तुओं के आयात कर में वृद्धि करना है। बाकी अर्थव्यवस्था की सभी मूल समस्याओं की अनदेखी की गई है।

# कैंसर की चुनौती से जूझता भारत

देवेंद्र राज

> चाय-कॉफी जैसे पेय पदार्थों के आदी व्यक्ति को भी कैंसर का ज्यादा खतरा रहता है। मोटापे से ग्रस्त व्यक्ति को कैंसर होने की अधिक संभावना होती है। यह बीमारी अनुवांशिक भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों की बदलती जीवनशैली, तनाव, खान-पान की आदतें, शराब और तंबाकू सेवन इसकी बड़ी वजह बन रही है। देश में सामान्य, मुंह, सर्वाइकल और स्तन कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल-2019 की रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीडी क्लीनिक ने 2017 से 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है। इस एक वर्ष में देश में कैंसर के मामले तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गये।

प्रतिवर्ष चार फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। कैंसर के सौ से अधिक प्रकार हैं, लेकिन इनमें स्तन, सर्वाइकल, ब्रेन, हड्डी, ब्लैडर, पैंक्रियाटिक, प्रोस्टेट, गर्भाशय, किडनी, फेफड़ा, त्वचा, पेट, थायरॉयड और मुंह व गले का कैंसर प्रमुख है। वजन बढ़ने, शारीरिक सक्रियता में कमी आने, दोषपूर्ण व असंतुलित खान-पान, व्यायाम नहीं करने, अल्कोहल के अधिक मात्रा में सेवन से इस रोग के होने की संभावना अधिक रहती है।

चाय-कॉफी जैसे पेय पदार्थों के आदी व्यक्ति को भी कैंसर का ज्यादा खतरा रहता है। मोटापे से ग्रस्त व्यक्ति को कैंसर होने की अधिक संभावना होती है। यह बीमारी अनुवांशिक भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों की बदलती जीवनशैली, तनाव, खान-पान की आदतें, शराब और तंबाकू सेवन इसकी बड़ी वजह बन रही है। देश में सामान्य, मुंह, सर्वाइकल और स्तन कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल-2019 की रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीडी क्लीनिक ने 2017 से 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है। इस एक वर्ष में देश में कैंसर के मामले तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गये।

वर्ष 2017 में राजस्थान के सरकारी एनसीडी केंद्रों में पहुंचे करीब 30 लाख (30,91,378) लोगों में से 1,358 लोगों को सामान्य कैंसर निकला। वहीं 2018 के दौरान यह आंकड़ा बढ़कर 3,414 हो गया। यह करीब डेढ़ गुना बढ़ोतरी है। वर्ष 2017 में 3,57,23,660 लोग जांच कराने पहुंचे, जिनमें से 39,635 लोगों में सामान्य कैंसर पाया गया। वर्ष 2018 में 6,51,94,599 लोग जांच कराने पहुंचे, जिनमें से 1,68,122 में सामान्य कैंसर की पुष्टि हुई।

गुजरात में 2017 में 3,939 कैंसर पीड़ितों की पुष्टि हुई थी। वर्ष 2018 में यह संख्या बढ़कर 72,169 हो गयी। गुजरात के बाद सबसे खराब हाल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का रहा। हर दिन औसतन 1300 से अधिक लोग इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं। हर वर्ष कैंसर के 10 लाख नये मामलों का निदान किया जा रहा है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार, 2020 तक कैंसर के मामलों में 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है और 2035 तक हर वर्ष कैंसर के कारण मरनेवालों की संख्या बारह लाख तक बढ़ने की उम्मीद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले भारत में कैंसर से प्रभावितों की दर कम है। बावजूद यहां 15 प्रतिशत लोग कैंसर के शिकार होकर अपनी जान गंवा देते हैं। डब्ल्यूएचओ की सूची के अनुसार, 172 देशों की सूची में भारत का स्थान 155वां हैं। वर्तमान में कुल 24 लाख लोग इस बीमारी का शिकार हैं। एक अनुमान के मुताबिक, भारत में 42 प्रतिशत पुरुष और 18 प्रतिशत महिलाएं तंबाकू के सेवन से कैंसर का शिकार होकर अपनी जान गंवा चुके हैं।

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के एक प्रतिवेदन के अनुसार, देश में हर वर्ष इस बीमारी से 70 हजार लोगों की मृत्यु हो जाती है, इनमें से 80 प्रतिशत लोगों की मौत का कारण बीमारी के प्रति उदासीन रवैया है। कैंसर संस्थान की इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर वर्ष सामने आ रहे साढ़े बारह लाख नये रोगियों में से लगभग सात लाख महिलाएं होती हैं। इनमें से करीब साढ़े तीन लाख महिलाओं की मौत हो जाती है। इनमें से भी 90 प्रतिशत की मृत्यु का कारण रोग के प्रति बरती जाने वाली लापरवाही है। ये महिलाएं डॉक्टर के पास तभी जाती हैं जब बीमारी अनियंत्रित हो जाती है।

निःसंदेह, यदि कोई देश अपने को कैंसर मुक्त बनाने का सपना देखता है तो उसे अपने देश में बिक रहे मादक व नशीले पदार्थों व शराब की फैक्ट्रियों पर रोक लगाने के कदम उठाने होंगे। जंक फूड पर फैट टैक्स लागू कर इसके सेवन से आमजन को बचाने का प्रयत्न करना होगा। कैंसर से बचाव के लिए हमें इस रोग को लेकर जन-जागृति कार्यक्रमों में तेजी लाने की जरूरत है।

# स्वाद के साथ सेहत भी संवारता है काजू

जब भी काजू की बर्फी की बात होती है तो हर किसी के मुंह में पानी आ जाता है। काजू एक ऐसा नट्स है, जिसे न सिर्फ बहुत सी सब्जियों की ग्रेवी में इस्तेमाल किया जाता है, बल्कि इसे बहुत सी मिठाइयों व अन्य व्यंजनों को लजीज बनाने में भी प्रयोग किया जाता है। एंटी-ऑक्सीडेंटस, विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर यह काजू आपको स्वाद के साथ-साथ सेहत भी प्रदान करते हैं। तो चलिए आज हम आपको काजू से मिलने वाले कुछ स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताते हैं।

## मिलते हैं ये तत्व

काजू में आपको काफी मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। इनमें आपको प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस, पोटैशियम, जिंक, सेलेनियम, कॉपर, मैग्नीशियम व विभिन्न तरह के विटामिन आदि मिलते हैं। जिससे आपके शरीर को कई तरह से लाभ प्राप्त होता है। इसलिए हर किसी को काजू को अपनी डाइट का हिस्सा अवश्य बनाना चाहिए।

## कैंसर से बचाव

काजू में प्रोएंथोकेनिडिन नामक तत्व पाया जाता है। इस प्रोएंथोकेनिडिन का मुख्य काम होता है कि वह ट्यूमर कोशिकाओं को आगे बढ़ने से रोकने के लिए लड़ते हैं। इस प्रकार काजू न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं से लड़ने में मदद करता है, बल्कि इससे पेट का कैंसर होने की आशंका भी काफी हद तक कम हो जाती है। इसलिए कैंसर रोगियों को काजू अवश्य खाना चाहिए।

## दिल को रखे दुरुस्त

काजू में न सिर्फ लो फैट कंटेंट पाया जाता है, बल्कि इसमें फोलिक एसिड भी होता है। यह फोलिक एसिड हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है। काजू कोलेस्ट्रॉल फ्री तो होते ही हैं, साथ ही इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं। जिससे आपको हृदय रोगों से दूर रहने में मदद मिलती है। काजू में मोनो सैचुरेटेड फैट होता है जो की दिल को स्वस्थ रखता है और दिल की बीमारियों के खतरे को कम करता है। इसमें बिल्कुल भी कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है।

## बालों को करे काला

शायद आपको जानकर हैरानी हो लेकिन काजू के सेवन से बालों के सफेद होने की आशंका काफी कम हो जाती है। दरअसल, इसमें कॉपर खनिज पाया जाता है और यह कॉपर आपके बालों की प्राकृतिक रंगत को बनाए रखने में मदद करता है।

## ब्लड प्रेशर करे नियंत्रित

जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत रहती है, उन्हें काजू का सेवन अवश्य करना चाहिए। दरअसल, काजू में मैग्नीशियम पाया जाता है जो रक्त चाप को नियंत्रित करने में मदद करता है।

## हड्डियां बनाए मजबूत

यह तो आप जानते ही हैं कि हड्डियों की मजबूती के लिए आपके शरीर में कैल्शियम और मैग्नीशियम का पर्याप्त मात्रा में होना आवश्यक है। काजू में ये दोनों ही तत्व पाए जाते हैं। ऐसे में इसका सेवन आपकी हड्डियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होता है।

## हंसना मना है

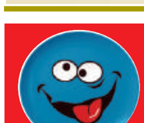

पिंटू: यार, तेरी हॉबी क्या है। मिंटू: घुड़सवारी। पिंटू: क्या बात है! आखिरी बार कब की थी घुड़सवारी। मिंटू: शादी के दिन!

संता: ये किस चीज का खेत है। किसान: ये कपास का खेत है, जिससे कपड़े बनाये जाते है! संता: इसमें पजामे वाला पौधा कौन सा है। किसान बेहोश!

शिक्षक (संता से) : तुम्हारा जन्म कहां हुआ था। संता: तिरुअंतपुरम में। शिक्षक: तो इसकी स्पेलिंग बताओ। संता: बहुत सोचने के बाद, मेरे ख्याल से मेरा जन्म गोवा में हुआ था!

संता: मेरी जो नई पड़ोसन है वह आम आदमी पार्टी से है। बंता: तुम्हें कैसे पता। संता: कल मैंने उसे हाथ हिलाकर हाय बोला, तो उसने मुझे झाड़ू दिखाया!

अध्यापक: तुम कैसे सिद्ध करोगे कि साग-पात खाने वाले की निगाहें तेज होती हैं। छात्र: सर, आज तक किसी ने बकरे या घोड़े को चश्मा लगाते देखा है क्या।

मां: बेटा तू बाल क्यों नहीं कटवाता। बेटा: ये फैशन है मां। मां: अरे बेशरम वो तेरी बहन के लिए आये थे और तुझे पसंद करके चले गए।

## कहानी | दुनिया एक सराय है

एक राजा था जो बहुत घमंडी था। उसके घमंड के चलते आस-पास के राज्य के राजाओं से भी उसके संबंध अच्छे नहीं थे। उसके घमंड की वजह से सारे राज्य के लोग उसकी बुराई करते थे। एक बार उस गांव से एक साधु महात्मा गुजर रहे थे। उन्होंने भी राजा के बारे में सुना और राजा को सबक सिखाने की सोची। साधु तेजी से राजमहल की ओर गए और बिना प्रहरियों से पूछे सीधे अंदर चले गए। राजा ने देखा तो वह गुस्से में भर गया। राजा बोला, ये क्या उदण्डता है महात्मा जी, आप बिना किसी की आज्ञा के अंदर कैसे आ गए। साधु ने विनम्रता से उत्तर दिया, मैं आज रात इस सराय में रुकना चाहता हूं। राजा को ये बात बहुत बुरी लगी वह बोला, महात्मा जी ये मेरा राज महल है कोई सराय नहीं, कहीं और जाइये। साधु ने कहा हे राजा, तुमसे पहले ये राजमहल किसका था। राजा, मेरे पिताजी का। साधु, तुम्हारे पिताजी से पहले ये किसका था। राजा, मेरे दादाजी का। साधु ने मुस्करा कर कहा, हे राजा, जिस तरह लोग सराय में कुछ देर रहने के लिए आते है वैसे ही ये तुम्हारा राजमहल भी है जो कुछ समय के लिए तुम्हारे दादाजी का था। फिर कुछ समय के लिए तुम्हारे पिताजी का था, अब कुछ समय के लिए तुम्हारा है। कल किसी और का होगा। साधु की बातों से राजा इतना प्रभावित हुआ कि सारा राजपाट, मान सम्मान छोड़कर साधु के चरणों में गिर पड़ा और महात्मा जी से क्षमा मांगी और फिर कभी घमंड न करने की शपथ ली।

**सीख: इस कहानी में एक बहुत बड़ी सीख छुपी हुई है। ये दुनिया एक सराय के समान है जहां कुछ लोग रोज आते हैं और कुछ लोग रोज जाते हैं। अच्छी सोच रखिये, अच्छे काम करिये क्यूंकि इस सराय से एक दिन सबको जाना है।**

## 10 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आपके नियमित कामकाज में भी दोस्त आपकी मदद करने की कोशिश करेंगे। प्रेम प्रसंग शुरू हो सकता है।

**वृषभ**

साथ काम करने वाले या आसपास के किसी व्यक्ति के बारे में आपको गलतफहमी हो सकती है।

**मिथुन**

कार्यक्षेत्र और बिजनेस में नई रूपरेखा बनेगी और आप सफल हो सकते हैं। स्टूडेंट्स को सफलता मिलेगी।

**कर्क**

आलस्य और थकान महसूस हो सकती है। दोस्तों से मुलाकात होगी। नए कारोबार की रुपरेखा बन सकती है।

**सिंह**

नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। धन लाभ के योग बन रहे हैं। झूठ न बोलें वरना परेशानी बढ़ सकती है।

**कन्या**

किसी बिल के भुगतान में देरी हो सकती है। कोई मामला ज्यादा ही उलझ सकता है। सावधान रहें।

**तुला**

कन्फ्यूजन की स्थिति से निपटने की कोशिश में आप सफल हो सकते हैं। धैर्य और कोशिश के बीच संतुलन रखें।

**वृश्चिक**

अधिकारियों से बातचीत में सावधान रहें। कोई बात बिगड़ सकती है। पुराने मामले उजागर होने की भी संभावना है।

**धनु**

किसी एक व्यक्ति के साथ आपके संबंधों के बीच कोई मामला सुलझने के योग बन रहे हैं। समस्याएं सुलझ सकती है।

**मकर**

पैसा मिल सकता है। कोई अच्छी खबर मिल सकती है। नौकरी में अधिकारी आपसे खुश हो सकते हैं।

**कुम्भ**

आप लालच में पड़ कर खुद का भी नुकसान करवा सकते हैं। ऑफिस में जिम्मेदारी मिल सकती है।

**मीन**

आपको अपने लक्ष्य, उम्मीदें और इच्छाओं के बारे में साफ-साफ बात करने का मौका मिल सकता है।

# तेजस्वी प्रकाश बनीं सर्वश्रेष्ठ नागिन

टेलीविजन | मसाला

बिग बॉस 15 की विनर तेजस्वी प्रकाश टेलीविजन पर धमाकेदार वापसी करने के लिए तैयार हैं. हिट टीवी ड्रामा नागिन 6 में वह अब मुख्य भूमिका निभाएंगीं। ट्रेलर में तेजस्वी नई नागिन के रूप में दिखाई दे रही हैं, जो गोल्डन कलर की ड्रेस और गहनों से सजी है। इस ट्रेलर में तेजस्वी प्रकाश नागिन के अवतार में एक दूर देश में एक प्रयोगशाला में प्रवेश करती दिख रही हैं। वह प्रयोगशाला के चारों ओर देखती हैं जहां कई रासायनिक प्रतिक्रियाएं चल रही होती हैं जो दुनिया भर के लोगों की सुरक्षा को खतरे में डाल सकती हैं।

## महामारी से बचाएगी नागिन?

बैकग्राउंड से आवाज आती है, आ रही है वो, एक ऐसी साजिश से बचाने जो पूरी दुनिया में महमारी फेला देगी। बदल रही है वो, बदल चुकी है नागिन। जाहिर है कि शो में कोरोना वायरस महामारी को नागिन की कहानी से जोड़ा गया है। इस प्रोमो पर अब लोगों के मजेदार रिएक्शन आ रहे हैं। एक ने लिखा, अब नागिन बनेगा वैक्सीन (हंसी वाला इमोजी) वो बचाएगी कोरोना से? दूसरे ने लिखा है, मतलब हद हो गई। बता दें कि यह शो कलर्स पर शनिवार और रविवार को रात 8 बजे प्रसारित होगा। 12 फरवरी से शुरू हो रहा है। इसे वूट पर भी देखा जा सकेगा बिग बॉस के घर में चार महीने बिताने के बाद तेजस्वी ने बिग बॉस 15 जीत लिया। शो के दौरान उनकी और करण की रिलेशनशिप की शुरुआत हुई। करण को शो में सेकेंड रनर-अप की जगह मिली।

# दीपिका ने फिर दिखाया बेबाक अंदाज

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। उन्होंने न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपने स्टाइलिश अंदाज से इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल कर लिया है। इन दिनों दीपिका अपनी अपकमिंग फिल्म गहराइयां को लेकर सुर्खियों में हैं। फिलहाल वह लगातार फिल्म गहराईयां के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। फिल्म के हर प्रमोशनल इंवेंट में दीपिका नए-नए लुक में पहुंचती हैं, जिसे बहुत पसंद किया जाता है। अब दीपिका ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक दिखाई है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें दीपिका ने एक बार फिर से बेबाक अंदाज दिखाया है। लोगों के लिए एक्ट्रेस की इन फोटोज से नजरें हटाना मुश्किल हो गया है। अपने इस फोटोशूट के लिए दीपिका ने वाइन कलर का बॉडी सूट पहना हुआ है, जो बैकलेस है। साथ ही एक्ट्रेस ने इसको डार्क ब्लू कलर की ढीली-ढाली जींस के साथ पेयर किया है। इस दौरान दीपिका अपनी टोंड बॉडी फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। फिगर हगिंग इस बॉडीसूट में क्रिस-क्रॉस हॉल्टर नेकलाइन हैं, जो उनके लुक में हॉटनेस का एलिमेंट ऐड कर रही है। दीपिका ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए लाइट मेकअप किया हुआ है। यहां पर एक्ट्रेस ने बालों को खुला छोड़ा है। उन्होंने कानों में बड़ी ईयररिंग्स कैरी की हैं। दीपिका ने एक साथ बहुत तस्वीरें शेयर की हैं, तमाम यूजर्स इस लुक की तारीफ कर रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

# शेरों के साथ नोरा फतेही, बोलीं जगाना चाहती हूं अंदर की शेरनी

नोरा फतेही इन दिनों अपने अंदर की शेरनी को जगाने में लगी हुई हैं। नोरा अपने दोस्तों के साथ कुछ समय से छुट्टियां मना रही हैं। ऐसे में अब उन्होंने बब्बर शेरों के साथ पोज करते हुए फोटोज शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर नोरा फतेही ने बब्बर शेरों के साथ फोटोज शेयर की है. इन फोटो में ब्लू आउटफिट पहने नोरा फतेही दो बेहद प्यार और खूंखार बब्बर शेरों के साथ बैठी हुई है। नोरा के साथ शेर भी कैमरा के लिए पोज दे रहे हैं। नोरा फतेही अपने दोस्तों एक पास इस खास जगह पर गई थीं, जहां उन्होंने शेरों के साथ-साथ और भी जानवरों से मुलाकात की. नोरा फतेही ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर कुछ वीडियो शेयर किए हैं। इनमें वह लकड़बग्घे, उल्लू और बंदर के साथ समय बिताती नजर आ रही हैं। नोरा फतेही अपने समय को काफी एन्जॉय कर रही हैं। नोरा फतेही ने एक छोटे लकड़बग्घे को बोतल से दूध भी पिलाया। ऐसा करते हुए नोरा अपने दोस्तों से कह रही हैं कि मुझे पहले डर लग रहा था अब नहीं लग रहा है। शेरों के साथ फोटो शेयर करते हुए नोरा फतेही ने कैप्शन में लिखा अब से बस लायन एनर्जी ही होगी और कुछ नहीं। वैसे ये बहुत खूबसूरत हैं। नोरा का यह अंदाज उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। फैंस उन्हें बेमिसाल बता रहे हैं। कई फैंस ने कमेंट में लिखा है तो कुछ ने फायर और हार्ट इमोजी शेयर किए हैं। वैसे जानवरों से मुलाकात से पहले नोरा फतेही ने ब्लैक बिकिनी में फोटोज शेयर की थीं। इन फोटोज में नोरा फतेही को पूल के पास बैठे हुए देखा गया था। फोटो में नोरा फतेही अपने फोन में बिजी नजर आई थीं। नोरा फतेही को पिछली बार डांस मेरी रानी गाने में देखा गया था।

# वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में खोजा पृथ्वी का दोस्त

दुनियाभर के वैज्ञानिक अंतरिक्ष के रहस्यों को जानने की कोशिश में सालों से लगे हुए हैं। वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष के कई रहस्यों से पर्दा तो उठा दिया है, लेकिन अभी भी कई रहस्य हैं। अब इस बीच वैज्ञानिकों ने धरती के एक दोस्त को खोजा है। अंतरिक्ष में सिर्फ पृथ्वी ही सूरज का चक्कर नहीं लगा रही है बल्कि धरती का दोस्त भी एक कक्षा में रहकर परिक्रमा कर रहा है। वैज्ञानिकों की तरफ से इसे अर्थ ट्रोजन एस्टेरॉयड नाम दिया गया है। वैज्ञानिकों ने साल 2020 में सबसे पहले इस एस्टेरॉयड की खोज की थी। खगोलविदों ने सोचा था कि उन्होंने किसी अनोखे चीज की खोज की है, लेकिन अब शोधकर्ताओं ने इसकी सच्चाई बताई है। उन्होंने कहा कि यह एक अर्थ ट्रोजन एस्टेरॉयड है। उनका कहना है कि यह एस्टेरॉयड 4 हजार साल तक धरती की परिक्रमा करता रहेगा। यह दूसरा और सबसे बड़ा एस्टेरॉयड है जो धरती के साथ सूरज का चक्कर लगा रहा है। छोटी आसमानी चट्टानों को ट्रोजन एस्टेरॉयड कहा जाता है। यह एक ग्रह के साथ परिक्रमा पथ पर चक्कर लगाते हैं। अभी तक वैज्ञानिकों ने सोलर सिस्टम और उसके बाहर ग्रहों के इन ट्रोजन एस्टेरॉयड को खोजा था। अब धरती के एक दोस्त को खोजा गया है। साल 2010 में भी एक ऑब्जेक्ट 2010 TK खोजा गया था। यह ऑब्जेक्ट भी धरती के साथ उसी रास्ते पर परिक्रमा कर रहा था। वैज्ञानिकों ने नई रिसर्च में साल 2020 में मिले एस्टेरॉयड को 2020 ङ्गरु नाम दिया है जिसे अर्थ ट्रोजन एस्टेरॉयड के नाम से बुलाया जा रहा है, लेकिन यह बहुत छोटा है और धरती की कक्षा में परिक्रमा कर रहा है। इस शोध को लिखने वाले टोनी संताना रोस का कहना है कि साल 2010 में मिला 2010 TK कोई दुर्लभ मामला नहीं है, क्योंकि अर्थ ट्रोजन के तौर पर 2020 XLz खोज से इसकी पुष्टि हुई है।

अजब-गजब | इस जंगल में रात को जाने से डरते हैं लोग

# दुनिया का खौफनाक जंगल, जहां पेड़ों से लटकी रहती हैं गुड़िया!

हमारी दुनिया में कई अजीबोगरीब और विचित्र चीजे हैं जिनके बारे में लोग कम ही जानते हैं इसलिए इन चीजों को लेकर एक डर का माहौल बना रहता है। इसी तरह कई डरावनी जगह भी दुनिया में मौजूद हैं जहां लोगों का दावा होता है कि खौफनाक घटनाएं घटती हैं। ऐसी ही एक जगह जर्मनी में मौजूद है। ये एक जंगल है जहां पेड़ों से गुड़यिा लटकी नजर आती हैं। इस वजह से इसे गुड़यिा का जंगल कहा जाता है।

फोटोग्राफर मेली जंगल और बीहड़ों से जुड़ी तस्वीरें खींचने के लिए फेमस हैं। इंस्टाग्राम और फेसबुक पर उनके बहुत से चाहने वाले हैं जो उनके दीवाने हैं। हाल ही में मेली ने कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की हैं जो बेहद डरावनी हैं। इन तस्वीरों में पेड़ों से गुड़िया टंगी नजर आ रही हैं। आपको बता दें कि ये फॉरेस्ट ऑफ डॉल्स की तस्वीरें हैं। मेली ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्हें करीब 5 साल पहले ये जंगल मिला था मगर जब वो 5 साल बाद भी यहां दोबारा पहुंचीं तो जंगल वैसा का वैसा ही था. सबसे बड़ी बात ये है कि यहां पेड़ों से सैंकड़ों गुड़िया टंगी हुई हैं। किसी का सिर कटा है तो किसी गुड़िया का सिर्फ सिर ही टंगा हुआ है। ये सारी गुड़िया बेहद खौफनाक नजर आ रही हैं और यहां का सुनसान माहौल इस गुड़िया वाले जंगल को और भी डरावना बनाता है। डेली स्टार रिपोर्ट के अनुसार इस जगह को अक्सर जियोकैचिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यानी एक तरह का खेल या समय बिताने का तरीका जिसमें किसी सामान से भरे बॉक्स को इस जगह पर छुपा दिया जाता है और फिर लोगों को बॉक्स ढूंढना पड़ता है। भले ही फोटोग्राफर्स और जियोकैचर्स यहां आते रहते हैं मगर रात के वक्त इस जगह पर लोग आने से बहुत डरते हैं। गुड़िया की खौफनाक नजरें लोगों के अंदर डर पैदा कर देती हैं. इस पोस्ट पर कमेंट कर कई लोगों ने हैरानी जताई है। बहुत से लोगों ने कहा कि जगह देखने में भले खूबसूरत लगे लेकिन यहां की शांति और गुड़िया की उपस्थिति लोगों के अंदर डर का माहौल पैदा करती है।

# भीषण सड़क हादसों में तीन सिपाहियों समेत आठ की मौत, दो जख्मी

## » रामपुर में स्पीड ब्रेकर पर अनियंत्रित होकर पलटी मारुति ईको, पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। रामपुर और उन्नाव में हुए दो भीषण सड़क हादसों में तीन सिपाहियों समेत आठ लोगों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य जख्मी हो गए। रामपुर के टांडा थाना क्षेत्र के सीकमपुर गांव के पास एक मारुति ईको कार स्पीड ब्रेकर से अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार में सवार छह लोगों में से पांच की मौके पर मौत हो गई जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं उन्नाव के सफीपुर कोतवाली क्षेत्र में यूपी डायल 112 के पुलिस वाहन पर टैंकर पलटने से तीन सिपाहियों की मौत हो गयी और एक जख्मी हो गया।

मुरादाबाद के जयंतीपुर मोहल्ला थाना मझोला निवासी पूरन दिवाकर (50) की बेटी गीता का रिश्ता उत्तराखंड के काशीपुर के निकट सुल्तानपुर पट्टी निवासी कन्हैया दिवाकर से तय हुआ था। शुक्रवार को पूरन दिवाकर की बेटी गीता की लगुन की रस्म होनी थी। इसके लिए पूरन दिवाकर अपने रिश्तेदारों और परिचितों के साथ सुल्तानपुर पट्टी गए थे। देर रात वहां से लौटते समय रामपुर में हादसा हो गया। पुलिस के अनुसार ईको कार सीकमपुर गांव पर बने स्पीड ब्रेकर पर रफ्तार में चढ़कर अनियंत्रित हो गई और पलट गई। हादसे में कार में सवार पूरन दिवाकर, उनके साले विनोद दिवाकर , देवेंद्र सिंह तोमर, मुकेश वर्मा और परमवीर सिंह ठाकुर की मौत हो गई जबकि चालक हरेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना पर देर रात परिजन रामपुर पहुंच गए। वहीं उन्नाव में शुक्रवार की रात डायल 112 की पीआरवी 2908 टीम साल्हेनगर करौंदी प्वाइंट से एसआर पंप प्वाइंट के लिए जा रही थी। जटपुरवा वजीरगंज के पास हरदोई की तरफ से आ रहा एक तेज रफ्तार टैंकर अनियंत्रित हो गया। उससे बचने के चक्कर में पीआरवी टीम के चालक ने वाहन खड्ड की तरफ मोड़ दिया, इस बीच अनियंत्रित टैंकर आकर उसके ऊपर ही पलट गया। इससे पुलिस वाहन सवार महिला आरक्षी रीता कुशवाहा, शशिकला यादव, चालक कृष्णनेंद्र दब गये जबकि सिपाही आनंद सिंह ने खिड़की से कूदकर जान बचाई। इसमें वे जख्मी हो गए। पुलिस ने टैंकर को हटवाया और पुलिस वाहन में दबे तीनों आरक्षियों को निकाल कर जिला अस्पताल भेजा। अस्पताल में उपचार शुरू होने के कुछ ही समय में तीनों ने दम तोड़ दिया। एसपी दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

### मातम में बदली खुशियां

शुक्रवार को पूरन दिवाकर की बेटी की लगुन की रस्म थी तो आज बारात आनी थी लेकिन बारात की शहनाइयों की जगह घर में मौत की चीख-पुकार मच गई। एक हादसे ने खुशी के माहौल को गम में बदल दिया।

**उन्नाव में पुलिस वाहन पर पलटा टैंकर, एक पुलिस जवान ने कूद कर बचायी जान**

---

पंजाब में भाजपा गठबंधन का घोषणा पत्र जारी

# किसानों का कर्ज होगा माफ, चार हजार मिलेगा बेरोजगारी भत्ता

## » 300 यूनिट बिजली मुफ्त, हर भूमिहीन मजदूर को हर साल मिलेंगे छह हजार रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में त्रिकोणीय गठबंधन के तहत भाजपा, कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस और संयुक्त अकाली दल ने अपना संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने घोषणापत्र जारी करते हुए कहा कि इसके तहत गठबंधन की पार्टियों ने 11 संकल्प लिए हैं। एनडीए सरकार आतंकवाद से पीड़ित प्रत्येक परिवार को पांच-पांच लाख रुपये देगी। स्नातक होने के दो साल बाद 4000 रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। महिला सशक्तिकरण के तहत पुलिस में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की स्थापना की जाएगी। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रत्येक परिवार, भले ही किसी भी जाति या समुदाय का हो, उसे अपना घर मिलेगा। हर घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे और एक अलग यूनिट के लिए 3 रुपये प्रति यूनिट चार्ज लेंगे। उद्योगों को विशेष पैकेज दिया जाएगा। एनडीए सरकार पांच एकड़ से कम जमीन वाले सभी किसानों का कर्ज माफ करेगी। हर भूमिहीन मजदूर को हर साल 6,000 रुपये मिलेंगे।

---

# लखनऊ विवि पीजी की परीक्षाएं 17 फरवरी से

## » विश्वविद्यालय प्रशासन ने जारी किया कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी आने के साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने यहां विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं की तैयारी तेज कर दी है। इसकी शुरुआत पीजी तीसरे सेमेस्टर से हो रही है जिसे 17 फरवरी से प्रस्तावित किया गया है। इसका विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया। परीक्षाएं ऑफलाइन होंगी।

विवि प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार विवि व सहयुक्त महाविद्यालयों की विषम सेमेस्टर की पीजी की परीक्षाएं 17 फरवरी से प्रस्तावित हैं। एमए तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 फरवरी से 04 मार्च तक, एमएससी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 फरवरी से 05 मार्च तक, एमकॉम तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 फरवरी से 05 मार्च तक होंगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने कहा कि परीक्षाएं पूर्व निर्धारित समय व स्थान पर आयोजित की जाएंगी। इससे पहले विवि प्रशासन ने अपने यहां यूजी-पीजी विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 जनवरी से प्रस्तावित की थीं। किंतु कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए पहले 15 से 31 जनवरी और बाद में पूरी परीक्षाएं स्थगित कर दी थीं।

---

# पहली बार पिंक बूथ पर मतदान करेंगी महिलाएं

## पहले चरण के चुनाव में होंगे 138 बूथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में निर्वाचन आयोग ने इस बार महिला मतदाताओं के लिए नई पहल की है। पहले चरण में 138 महिला बूथ (पिंक बूथ) होंगे। ऐसे मतदान केंद्र जहां सिर्फ महिला कर्मचारियों की ड्यूटी होगी और महिलाएं ही मतदान करेंगी। इन महिला बूथों की सुरक्षा का जिम्मा भी आधी आबादी के ही कंधे पर होगा। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पुलिस ने पहले चरण के चुनाव के लिए महिला बूथ की स्थापना की तैयारियां पूरी कर ली हैं। इन बूथों पर 59 महिला निरीक्षकों के अलावा 260 से अधिक महिला मुख्य आरक्षी व आरक्षी तैनात होंगी। महिला होमगार्ड भी सुरक्षा की कमान संभाले नजर आएंगी।

पहले चरण के मतदान के लिए सबसे अधिक अलीगढ़ में 35 महिला बूथ व गौतमबुद्धनगर में 25 महिला बूथ होंगे। इसके अलावा आगरा में 23, बुलंदशहर में सात, बागपत में पांच, गाजियाबाद में 12, हापुड़ में 10, मथुरा में पांच, मेरठ में सात व मुजफ्फरनगर में छह महिला बूथ होंगे। साथ ही शामली में भी तीन बूथ प्रस्तावित हैं, जिन्हें चिन्हित किया जा रहा है। गाजियाबाद में सभी महिला बूथों पर दो-दो अतिरिक्त महिला होमगार्ड तैनात किये जाने की भी तैयारी है। गौतमबुद्धनगर व गाजियाबाद के सभी महिला बूथ पर महिला निरीक्षक तैनात रहेंगी। आयोग ने सभी सातों चरणों में महिला बूथ स्थापित किये जाने का निर्देश दिया था।

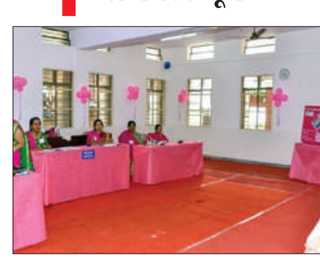

---

# सिद्धू के तेवर फिर तल्ख, बोले शीर्ष पर बैठे लोग चाहते हैं कमजोर सीएम

## » कल मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलान करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में मुख्यमंत्री चेहरे के लिए कांग्रेस हाईकमान के सर्वे का रुख भांपते ही प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के तेवर कड़े हो गए हैं। सिद्धू ने यह कहकर हाईकमान के फैसले के प्रति अपने तेवर स्पष्ट कर दिए कि 'शीर्ष पर बैठे लोग' (हाईकमान) एक कमजोर मुख्यमंत्री चाहते हैं जो उनके इशारे पर नाचता रहे। चूंकि कांग्रेस हाईकमान छह फरवरी को अगले मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलान करने जा रहा है, इस बयान के साथ सिद्धू ने चन्नी को कमजोर मुख्यमंत्री साबित होने की ओर इशारा कर पार्टी के लिए मुश्किल खड़ी करने की कोशिश तेज कर दी है।

सिद्धू ने कहा कि एक अच्छे मुख्यमंत्री का चुनाव करना केवल पंजाब के मतदाताओं के हाथ में है। अगर नया पंजाब बनाना है तो सीएम के हाथ में है। आपको इस बार सीएम चुनना है। ऊपर वालों को एक कमजोर सीएम चाहिए जो उनकी धुन पर नाच सके। क्या आपको ऐसा सीएम चाहिए?' ऐसे में पार्टी और सियासी गलियारों में ये अटकलें तेज हो गईं हैं कि अगर हाईकमान ने चन्नी को अगला मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया तो संभव है कि सिद्धू कांग्रेस को अलविदा कह दें। सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने कहा है कि वे पति-पत्नी अपने पुराने प्रोफेशन में लौट सकते हैं।

---

# गोरखपुर सीट पर योगी के लिए कड़ी चुनौती

## » 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम योगी ने गोरखपुर सदर सीट से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन कर दिया है। नामांकन में खुद गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। ये पहली बार है जब शाह किसी के नामांकन में शामिल हुए जबकि काफी दिनों से अमित शाह और सीएम योगी के बीच मनमुटाव की खबरें आ रही थीं। ऐसे में इसके जरिए भाजपा ने बड़ा मैसेज देने की कोशिश की है। ये बातें निकलकर सामने आई वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग, अजय शुक्ला, प्रो. लक्ष्मण यादव, सामाजिक कार्यकर्ता आनंद राय, चिंतक सीपी राय , प्रबल प्रताप शाही और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ एक लंबी परिचर्चा में।

सीपी राय ने कहा जो नई राजनीति है उसमें कोई किसी का नहीं, न नेता और न कार्यकर्ता। टाइम्स मैगजीन में छपने के बाद योगी, मोदी व शाह से आगे निकल गए हैं। ऐसे में बीजेपी रणनीति बना रही कि मोदी का क्रेज कम न हो। श्रवण गर्ग ने कहा वेस्ट यूपी बीजेपी के लिए बड़ा संकट है ऐसे में बीजेपी पूर्वांचल पर खास फोकस कर रही। शाह के पहुंचने से फायदा ही होगा नुकसान नहीं। पूर्वांचल की राजनीति पिछड़े चलाते हैं, ऐसे में भाजपा को बहुत नुकसान होगा।

**परिचर्चा**
**रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा**

अजय शुक्ला ने कहा योगी गोरखपुर के नेता माने जाते हैं, ऐसे में जो भी होगा, योगी के सिर ही आएगा। राधा मोहन योगी के लिए वोट मांगेगे। योगी के लिए राह कठिन है पर मुख्यमंत्री के तौर पर जीत तो लगभग पक्की है। लक्ष्मण यादव ने कहा कि गोरखपुर में वर्चस्व एक संघर्ष है। पूर्वांचल में योगीजी के प्रति अब जो बदलाव आया, वह कहानी गोरखपुर की भी है। इसी के चलते शाह योगी के साथ मौजूद रहे कि हम सब एक है। आंनद राय ने कहा शाह का जो आज आना हुआ है, इससे साफ है कि पार्टी घबराहट में है। गोरखपुर में नौ सीटें है, जिसमें चार का टिकट काट दिया गया, क्योंकि कार्यकर्ताओं में गुस्सा बहुत है। प्रबल प्रताप शाही ने कहा मोदी-शाह नहीं चाहते कि हमारे इर्द-गिर्द कोई रहे, ऐसे में वे योगी को अपने से बड़ा नहीं बनने देंगे।

# बसंत पंचमी पर अनुराग ठाकुर ने लड़ाए सियासी पेंच

## केजीएमयू में भी धूमधाम से मना त्योहार

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में बसंत पंचमी पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। शहर के लोग छतों पर पतंग उड़ाने में मशगूल हैं तो वहीं भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने इस पर्व पर राजधानी में सियासी पेंच लड़ाए। आएंगे तो योगी ही स्लोगन लिखी भाजपा की पतंगे उड़ाकर विपक्ष पर निशाना भी साधा। इसके अलावा केजीएमयू के प्रांगण में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती पूजन का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में सरस्वती पूजन के बाद यज्ञ हुआ। इसमें डॉक्टर, शिक्षक, एमबीबीएस छात्र-छात्राओं समेत तमाम विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर कर हिस्सा लिया। पूरे परिसर में एमबीबीएस छात्रों के सहयोग से रंग बिरंगी रंगोली सजाई गई। पीले व दूसरे रंग-बिरंगे फूलों से रंगोली बनाई गई। इस दौरान पूजा के बाद लोगों को प्रसाद भी बांटा गया।

# डीएम अभिषेक प्रकाश की मेहनत लाई रंग, टीकाकरण में लखनऊ नंबर वन

### » यूपी में सबसे अधिक 74 लाख वैक्सीनेशन राजधानी लखनऊ में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज का दिन राजधानी वासियों के लिए बहुत खुशी का दिन है। 16 जनवरी से टीकाकरण चल रहा है लेकिन अब जाकर हम पहले स्थान पर आए हैं। प्रदेश में वैक्सीनेशन में लखनऊ ने पहला स्थान प्राप्त किया है। यह सब संभव हुआ है जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश की अथक मेहनत से। डीएम अभिषेक प्रकाश के अथक मेहनत के कारण ही कोरोना टीकाकरण में लखनऊ के नाम बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई है।

प्रदेशभर के जिलों में सबसे ज्यादा 74 लाख टीके लगाकर लखनऊ जिला पहले स्थान पर आ गया है। वैक्सीनेशन में सूबे में

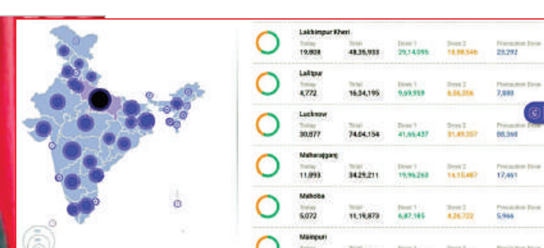

कीर्तिमान बनाए से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। हालांकि पहला स्थान बरकरार रखने के लिए जिले को अभी कई चुनौतियों से भी पार पाना बाकी है। लोगों को दूसरी डोज लगवाने के लिए आगे आना पड़ेगा। साथ ही बूस्टर डोज में भी दिलचस्पी दिखानी होगी, तभी हम लगातार नंबर वन बने रहेंगे।

# कश्मीर-दिल्ली समेत कई इलाकों में भूकंप के झटके

### » रिएक्टर स्केल पर मापी गई 5.7 तीव्रता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों और नोएडा समेत उत्तर भारत के अन्य इलाकों में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के ये झटके पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कुछ क्षेत्रों में भी महसूस किए गए, ऐसी खबरे हैं। हालांकि भूकंप के इन झटकों से किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र पर स्थित अक्षांश 36.340 और देशांतर 71.05 पर आज सुबह 9:45 बजे 5.7 रिचर स्केल का भूकंप आया। बता दें कि एक दिन पहले उत्तराखंड में भी 3.6 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप के इन झटकों से लोग घरों के बाहर निकल गएं और लोगों में एक दहशत फैल गई. हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इन झटकों में किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

## असलहा तस्कर को पकड़ने गई क्राइम ब्रांच की टीम पर जानलेवा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कैंट थाने के राजापुर इलाके में देर रात असलहा तस्कर को पकड़ने गई पुलिस टीम पर जानलेवा हमला किया गया। पुलिस जब असलहा तस्कर की तलाश में छापेमारी करने गई थी, तभी तस्करों ने धावा बोल दिया। महिलाओं ने पुलिस पर पथराव किया और कुछ पुलिसकर्मियों को दांत काटा, जिससे एक दारोगा व सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गए। वायरलेस पर पुलिस टीम पर हमला होने की सूचना प्रसारित हुई तो हड़कंप मच गया आनन-फानन में कई थानों की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी अजय पासी समेत कई को हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। प्रयागराज में क्राइम ब्रांच ने एक को देशी तमंचा के साथ गिरफ्तार किया था।

# गाड़ी वही जो पांच साल सरपट दौड़ती रहे : धामी

### » उत्तराखंड के सीएम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस पर कर रहे हैं तीखे हमले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड इन दिनों पांचवें विधानसभा चुनाव की दहलीज पर खड़ा है। सत्तारूढ़ भाजपा के चुनाव अभियान का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस पर तीखे हमले कर रहे हैं। भाजपा सरकार के पांच साल के विकास कार्यों के बूते उन्हें इस बार भी बड़ी जीत दर्ज करने का भरोसा है।

मुख्यमंत्री धामी कहते हैं कि सबसे बड़ा मुद्दा है वे विकास परियोजनाएं, जो पीएम मोदी ने सड़कों से लेकर रेल और हवाई सेवा के क्षेत्र में उत्तराखंड को दी हैं। साथ

ही कोरोना महामारी के दौरान निशुल्क टीकाकरण, मुफ्त राशन सरकार ने उपलब्ध कराया। उत्तराखंड सरकार ने भी बहुत सारी योजनाएं चलाई हैं। मुख्यमंत्री धामी बताते हैं कि हमारे यहां चेहरा बदलने का कोई मुद्दा नहीं है, यह हमारी पार्टी का आंतरिक मामला है। इसे इस तरह समझा जा सकता है कि एक गाड़ी है, गाड़ी के ड्राइवर बदलते रहते हैं, गाड़ी अपनी सवारियों और उसमें रखे सामान के साथ सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंची है। मतलब, केवल ड्राइवर बदले, गाड़ी वही है जो पांच साल सरपट दौड़ी।

### कांग्रेस में लालकुआं भेज दिए गए अनुभवी हरीश रावत

धामी कहते हैं कि हरीश रावत तो बहुत अनुभवी हैं, उनके अनुभव का लाभ उत्तराखंड की जनता को मिला। उन्होंने अपने जीवनभर का अनुभव उत्तराखंड में लगाया। उन्होंने किस तरह काम किया, सबने देखा है। उनके अनुभव का लाभ कांग्रेस को भी मिला था, क्योंकि उन्हीं के नेतृत्व में पिछली बार कांग्रेस चुनाव में गई थी, परिणाम सबने देखे। इस बार भी देख लिया, किस तरह कांग्रेस उनके अनुभव का लाभ उठा रही है। हरिद्वार से टिकट मांग रहे थे, पार्टी ने नहीं दिया, फिर रामनगर गए, दो दिन बाद वहां से भी उनसे टिकट वापस ले लिया गया। अब पैराशूट बनकर लालकुआं गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।